हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा 11 दिसम्बर, 2018 को "अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस-2018" कार्यक्रम का आयोजन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला, हि. प्र. द्वारा **11 दिसम्बर, 2018** को संस्थान के सभागार में **"अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस-2018"** के उपलक्ष में "**माउंटेन मैटर्स"** विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें संस्थान के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के आरम्भ में श्री सत्य प्रकाश नेगी, अरण्यपाल एवं प्रभाग प्रमुख, विस्तार प्रभाग, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने डॉ. वी.पी तिवारी, निदेशक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, आमंत्रित मुख्य वक्ता, श्री कुणाल सत्यार्थी, सदस्य सचिव, हिमाचल प्रदेश राज्य विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण परिषद, शिमला एवं संस्थान के सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों तथा कर्मचारियों का स्वागत किया। उन्होंने "अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस-2018" के बारे में सभी को संक्षिप्त जानकारी दी।

कार्यक्रम के **मुख्य वक्ता, श्री कुणाल सत्यार्थी, सदस्य सचिव,** हिमाचल प्रदेश राज्य विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण परिषद, शिमला, हि. प्र. ने अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस-2018 पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पहाड़ों का हमारे दैनिक जीवन में बहुत ही महत्व है। उन्होंने **"अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस-2018"** की विषय वस्तु "**माउंटेन मैटर्स"** को हिमाचल प्रदेश के संदर्भ में जोड़कर इसकी महत्ता के बारे में बहुत ही रोचक जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि वर्षा का कम या ज्यादा होना, मौसम का ज्यादा गर्म या ठंडा होना आदि भी कुछ हद तक इस बात पर निर्भर करता है कि उस क्षेत्र के पहाड़ों की स्थिति कैसी है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश राज्य विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण परिषद, शिमला द्वारा पहाड़ों के संदर्भ में की जा रही गतिविधियों के बारे में भी विस्तृत जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम में **डॉ. वी. पी. तिवारी निदेशक**, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने अपने संबोधन में कहा कि सयुंक्त राष्ट्र द्वारा 11 दिसम्बर को अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस के रूप में नामित किया गया। विश्व में सबसे पहले इसे वर्ष 2003 में मनाया गया था और हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला में इस कार्यक्रम को वर्ष 2016 से लगातार मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विश्व में लगभग एक बिलियन लोग पर्वतीय क्षेत्रों में निवास करते हैं और दुनिया की आधी आबादी को शुद्ध जल पहाड़ों से प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि 60-80% शुद्ध जल पहाड़ों से मिलता है और 15-20% पर्यटन पर्वतीय क्षेत्रों में होता है लेकिन पर्वतीय क्षेत्र वर्तमान में जलवायु परिवर्तन की समस्या से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। उन्होंने आगे कहा कि पर्वतीय क्षेत्र में संस्थान का स्थित होने के कारण हिमालयी क्षेत्र के पहाड़ों के प्रति दायित्व और भी बढ़ जाता है।

श्री अश्वनी कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, विस्तार प्रभाग, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला, हि. प्र . ने डॉ. वी.पी तिवारी, निदेशक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, आमंत्रित मुख्य वक्ता तथा संस्थान के समस्त वैज्ञानिकों, अधिकारियों तथा कर्मचारियों का इस कार्यक्रम में उपस्थित होने पर धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान
International MOUNTAIN DAY
"#MountainsMatter"
International Mountain Day
11 December, 2018
Organized by
Himalayan Forest Research Institute
Shimla, H.P (India)

मीडिया कवरेज़

एच.एफ.आर.आई. में मनाया पर्वत दिवस

शिमला, 11 दिसम्बर (ब्यूरो): हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला (एच.एफ.आर.आई.) द्वारा अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस के उपलक्ष्य पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं विषय वस्तु विशेषज्ञ सदस्य सचिव हिमाचल राज्य विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण परिषद कुणाल सत्यार्थी ने अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस-2018 पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पहाड़ों का हमारे दैनिक जीवन में बहुत ही महत्व है। वर्षा का कम या ज्यादा होना तथा मौसम का ज्यादा गर्म या ठंडा होना इत्यादि भी कुछ हद तक इस बात पर निर्भर करता है कि उस क्षेत्र के पहाड़ों की स्थिति क्या है। उन्होंने राज्य विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण परिषद द्वारा पहाड़ों के संदर्भ में की जा रहीं गतिविधियों के बारे में भी विस्तृत जानकारी प्रदान की।

पंजाब केसरी ई-पेपर

Wed, 12 December 2018
https://epaper.punjabkesari.in/c/3

****